



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 18, 1987/ज्येष्ठ 28, 1909

No. 13]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 1987/JYAISTHA 28, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज 6

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1)

के अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली: 9 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/37 दृ. 9-86/91—अतः मुझे टी. के. माहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यारडर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति ..... है तथा जो 3, फ्लेग स्टॉफ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), 'सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 अ के अधीन तारीख मितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

के पक्ष में प्रविष्ट अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्षित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :-

1. श्रीमति सत्या मल्होत्रा
- 3, फ्लेग स्टॉफ रोड,
- सिबिल लाईंस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

## 2. श्रीमति सुमित्रा गुप्ता व श्रीमति शान्ति देवी

24/13, शक्ति नगर, दिल्ली-110007

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विपक्षीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3 प्लेस स्टाफ, रोड, नई दिल्ली 490 वर्ग मीटर सिविल लाइंस, नई दिल्ली।

तारीख 9 जून, 1987

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE VI

NOTICES UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Scq)|R-VI|37EE|9-86|91.—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. .... situated at 3-Flag Staff Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Smt. Satya Molhotra 3, Flag Staff Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Gupta & Smt. Shanti Devi 24/13, Shakti Nagar, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

## THE SCHEDULE

"3, Flag Staff Road, Delhi 490 sq. mts|Civil Line, Delhi."

Date: 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. आई. ए. सी./एक्यू./6/37 द ड/9-96/92—अतः मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह, गया है) की धारा, 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसमें उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ..... है तथा जो 8ए/12, डब्ल्यू डी ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), \*सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा, 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री/श्रीमति/कुमारी मोटोर एंड जनरल फाइनेंस लिमि.  
एम जी. एफ हाउस, 17बी, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमति/कुमारी रतन एक्सपोर्ट एंड इंडस्ट्रीज लिमि.,  
ए-130, अशोक विहार-3,  
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन हेतु लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

209.5 वर्ग गज 2 1/2 स्टोरिड हाउस  
अए/12, डब्ल्यू इ ए करोल बाग, नई दिल्ली।

तारीख 9 जून, 1987

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/R-VI/37EE/9-86-92.—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. situated at BA/12, W.E.A. Karol Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Motor & General Finance Ltd.,  
M.G.F. House, 17B. Asaf Ali Road, New  
Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Rattan Export and Industries Ltd. A-  
130, Ashok Vihar-III, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

#### THE SCHEDULE

"209.5 sq. yds. 2-1/2 storeyed house on 8A/12, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi."

Date : 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस आर-3/9-86/442  
अतः मुझे टी के साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ..... है तथा जो एम जी एल नं. 10472 बार्ड नं. 16, प्लॉट नं. 44, ब्लॉक नं. 15-ए, डब्ल्यू इ ए, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), \*रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मूल्य से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परम प्रतिशत अधिक है और अन्तरक

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिद्ध निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारिक्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

1. श्री/श्रीमति/कुमारी जे एल बिरमानी सु. स्वर्गीय टी प्रारबिरमानी 7ए/73 डब्ल्यू डी ए, करोलबाग, नई दिल्ली और डब्ल्यू सी जनरल एंटीरनी वेदप्रकाश बिरमानी सुपू. टी प्रारबिरमानी 17-मॉडल टाउन, अम्बाला, सिटी, पंजाब। (अन्तरिती)
2. श्री/श्रीमति/कुमारी विकस एजेंसी प्रा. लिमि. ए-4, मायापुरी फेस-1, द्वारा के. एम. चावला, (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रावर्ती विवरण एम पी नं. 10472 वार्ड नं. 16,

प्लॉट नं. 44, ब्लॉक-35ए, डब्ल्यू डी ए करोल बाग, नई दिल्ली।  
ताबादी 266.6 वर्ग गज।

तारीख 9 जून, 1987

\* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq.) R-VI/SR-III/9-84/442.—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Mp. No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-A situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri J. L. Birmani s/o Late Shri T.R. Birmani, 7A/73, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, and duly constituted General Attorney of Shri Ved Prakash Virmani s/o. Shri T. R. Birmani, 17-Model Town, Ambala City Punjab. (Transferor)
- (2) M/s. Vikash Agencies Private Limited, A-4, Maya Puri, Phase-I, New Delhi, through it Director Shri K. S. Chawla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

#### THE SCHEDULE

"Property bearing Municipal No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-a situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 266.6 sq. yds."

Date : 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

नियम सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस आर3/9-86/446—

अतः मुझे श्री टी के साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सख्या ... है तथा जो प्लॉट नं. 1, ब्लॉक नं. 16-बी, देशबन्धु गुप्ता रोड करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियम में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी धर्मवीर सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरिचंद, निवासी 431, मथुरा रोड, जंगपुरा नई दिल्ली तथा श्री. पी. ओपड़ा द्वारा एटोर्नी कंवलजीत सिंह, गोदी सुपुत्र बलदेव सिंह, गोदी, ए-89, नीतिबाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री जयकुमार मिराती हरजसपात सिंह आर०के० छाबड़ा, श्रीमती एन० के० छाबड़ा, श्रीमती गुरशरत कौर, मिस मनसोत कौर मोधी, श्रीमती यमिनंदर गोधी जाबला फैमिली प्रा०ट्रस्ट 1-116 जशोक विहार, नई दिल्ली । (अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेय :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जातस्मात्तयों के पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1 ब्लॉक नं. 16-बी, देशबन्धु गुप्ता रोड, करोलबाग, नई दिल्ली तारीखी 180 वर्ग गज ।

तारीख 9 जून, 1987

नील

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.)/VI/SR-II/9-86/446—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 1, Block No. 16-B, situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (1 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Dharambir s/o Late Shri Hari Chand R/o 431, Mathura Road, Jangpura, New Delhi and O P Chopra through Att. Kanwaljeet Singh Goindi s/o Baldev Singh Goindi R/o. A-89, Neeti Bagh, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Jai Kumar Meerani, Harjaspat Singh, R. K. Chhabra, Mrs. N. K. Chhabra, Mrs. Gursaran Kaur, Miss Manmmit Kaur

Sodhi, Mrs. Maninder Goindi Chawla  
Family Pvt. Trust, I-116, Ashok Vihar,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

### SCHEDULE

"Plot No 1, Block No. 16-B, Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, measuring 180 sq. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस आर-3/9-86/447:—  
भारत मुक्त टी के साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269B के अधीन सहाय अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 16/3 है तथा जो 16/3, डब्ल्यू डू ए, करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को भारत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी प्रीतमसिंह भाज सुपुत्र स्वर्गीय एस भावा सिंह  
बर्ज, निवासी-16/3, डब्ल्यू डू ए, करोलबाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी एरिस प्रोबसिएस प्रा. लिमि.  
8/18, कालका एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर  
एम. जमपाल सिंह बत्रा । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में मंचा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आपर्टी बिमारग मकान न 3, ब्लॉक नं. 16, एक्सटेंशन, क्षेत्र  
करोलबाग, नई दिल्ली । प्लॉट नं. 1 और प्लॉट नं. 1160,  
तादावी लगभग 280 वर्ग गज ।

तारीख 9 जून, 1987

संज्ञ

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC.(Acq.)/R-VI/SR-III/9-86/447.—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. H. No. 3, in Block XVI in West Exten. Area situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian

Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Pritam Singh Bharj s/o Late S. Bawa Singh Bharj R/o 16/3 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.  
(Transferor)
- (2) M/s. Aeries Overseas Pvt. Ltd., 8/16, Kalkaji Extn. New Delhi through its Managing Director S. Jaspal Singh Batra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

"Property bearing H. No. 3, in Block No. XVI, in West Extn. Area of Karol Bagh, New Delhi, falling in Khasra No. 1947/1164, Khewat No. 1 & Khatauni No. 1160, Measuring about 280 sq. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एम.आर.-3/9-86/451 :—  
प्रतः मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ..... है तथा जो 17 ए/58 इक्यू इ ए, करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानय्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)\*, रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रंतरक (प्रंतरकों) और प्रतरिनी (प्रतरिनीयों) के बीच ऐसे प्रंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है :—

- (क) प्रंतरण से हुई किसी धन का वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रंतरण के वास्तव में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या धन्य धातुओं, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ प्रतिलिपि द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती बिसवा मोहिनी राजपाल पत्नी श्री चन्द्रभान राजपाल द्वारा एटोरना चन्द्रभान राजपाल निवासी-17ए/58, इक्यू इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (अंतरक)
2. श्री सतपाल श्री, नरेन्द्र कुमार श्री, विरेन्द्र कुमार और गुलन बबरा नाथ निवासी 16/17, टैगोर नगर, मिनिन लाइन्स, सुधियाना वर्तमान 250-ए, अनापुरी नई दिल्ली। (प्रतरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष ;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तत्पश्चात् से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किस, व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्त-क्षर के प.म निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सैंड न. 58, ब्लाक न. 17-ए, इक्यू इ ए, करोलबाग, नई दिल्ली। तहसील 234 वर्ग अ. 10  
तारीख 9 जून 1987

सील

\* (जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VI/SR-III/9-86/451.—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Plot of Land No. 58 situated in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Vishwa Mohini Rajpal Shri Chander Bhan Rajpal through Attorney Shri Chander Bhan Rajpal R/o 17A/58, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Gopal Whir, Shri Narender Kumar Dhir, Virender Kumar Dhir All sons of Shri Badri Nath Dhir R/o. 16/17-B, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana at present 250A, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

"Plot of land No. 58 in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sy. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. आई. ग. सी./एक्यू./6/एन आर-3/9-86/452 :—

अतः, मुझे डा. के साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है का धारा 269 ग के अधीन संपत्ति अधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसका संख्या ..... है तथा जो 8/8, वेम्बडू गुप्ता रोड, नई दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में पूर्ण से वर्णित है), 'रजिस्ट्रार' अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मिनम्बर 1986 को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधि में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है -

(क) अंतरण से हुए किसी आय की जागत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने से सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्री सवन सिंह नय्यर सुपुत्र श्री अर्जुन सिंह  
[8/8, डा. के गुप्ता रोड, पहाड़गज, नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्री कितोव गोविंदा सुपुत्र श्री जे आर गोविंदा (2) सुनील गोविंदा सुपुत्र श्री जे आर गोविंदा (3) श्रीमती सुधा गोविंदा पत्नी श्री जी सी गोविंदा 4319/3, अमरी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अंतरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वतः संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को लामोल से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वतः व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विगुण किंवा अधिक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के नाम विहित में किये जा सकेंगे।

साटीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।



## अनुसूची

प्राप्टी नं. 8/8 देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली मादानी लगभग  
333.34 वर्ग गज खासरा नं. 915/710 धोर 711.  
तारीख 9 जून, 1987

\*(जो लागू न हो उसे काट देंगे।)

Ref. No. IAC (Acq.)/VI/SR-III/9-86/452.—  
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8/8, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi situated at ..... (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Madan Singh Nayyar S/o Sh. Arjun Singh R/o 8/8, D.B. Gupta Road, Paharganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. (1) Vinod Gogia S/o Sh. J. R. Gogia (2) Sh. Sunil Gogia S/o J. R. Gogia (3) Smt. Sudha Gogia W/o Sh. G. C. Gogia all R/o 4319/3 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette:

## SCHEDULE

“Property bearings No. 8/8 Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi, measuring about 333.34 sq. yds. falling in Khasra No. 915/710 and 711.”

Date 9th June, 1987

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई.ए.सी./ए.यू./6/एस.आर-1/9-86/925:—अन्य मुझे टी.के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) को धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वातान मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ..... है तथा जो बी-2/63, यशोवत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाय अन्तर्गत में पूर्ण रूप से वर्णित है), \*रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ... सितम्बर, 1986 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित वातान मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित वातान मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रमाणित प्रमाण है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रमाणित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धन को वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 का 27 के अधीन अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वास्तविक वास्तविकता में सुविधा के लिए,

अतः, अतः, अधिनियम को धारा 269-ख के अधिनियम में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनमोहन सिंह गुप्त श्री गुरुमुखसिंह निवासी-16-तुलक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री रामोव प्रसाद गुप्त श्री एम.ए. प्रसाद और श्रीमति राजगनी प्रसाद पत्नी श्री एम.ए. प्रसाद निवासी बी-241, शिरावाला नगर, दिल्ली। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए कार्यवाही शुरू करवा है।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्पत्ति अधिनियम पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि याद में प्रमाणित होती है के तहत पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं. बी-2/63, अशोक विहार फेज-2 दिल्ली।

तारीख 9 जून, 1987

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/925.  
Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Man Mohan Singh  
S/o. Sh. Gurmukh Singh  
R/o. 16-Tughlak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Aggarwal  
S/o. Sh. S.S. Aggarwal, and  
Smt. Raj Rani Aggarwal  
W/o. Shri S.S. Aggarwal both residents of  
B-241, Derawalan Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

### THE SCHEDULE

"Property No. B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi".

Date 9th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देशनं आई.ए.सी./एस.टी. 16/ए.ए.आर.-1/9-86/927 :—प्रतः मुझे टी.के. सह आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका संख्या .... है तथा जो 4866, हरबन निहू स्ट्रीट नं. 24, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इसे उगावट अनुसूची के पूर्ण रूप से वर्णित है), \*रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन \*सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन तारीख ... निम्न, 1986 का पूर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उगावट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिक निम्नलिखित उद्देश्य से अथवा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्मेद करने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य संपत्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 का 27 के प्रयोगार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया माना चाहिए या, अन्तरित में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र स्व. डा. सरूप गुप्ता करना मैनेजर आफ श्री ओम प्रकाश गुप्ता (एचयूएफ) 4318/3, दरियागंज, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स सन्धू कन्स्ट्रक्शन 2बी, पराग डा. सी.टी. देशमुख भागो बम्बई पार्टनर श्री टी.एस. पन्नाबी (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में स्थापन होता हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पो. नं. 4866 हरबंस सिंह स्ट्रीट नं. 24 दरियागंज, दिल्ली तावदी 283 वर्ग फीट

तारीख 9 जून 1987

\*(जो लागू न हो उसे काट दें।)

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/927.—Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4866, in Harbans Singh Street situated at No. 24, Darya Ganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi\* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(a) Shri Om Prakash Gupta,  
S/o Late Dr. Sarup Gupta,  
Karta Manager of Sh. Om Parkash Gupta,  
(HUF)  
4318/3, Darya Ganj, (Transferor)  
New Delhi.

(2) M/s. Sindhu Construction,  
27-B, Parag,  
Dr. C.T. Deshmukh Marg,  
Bombay Through its partner  
Sh. T.S. Punjabi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### THE SCHEDULE

"P.N. 4866, in Harbans Singh Street,  
No. 24—Darya Ganj,  
Delhi measuring 283 sq. yds."

Date 9th June, 1987

Seal

\*Strike off where not applicable.

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस. आर.-1/9-86/923:—  
अतः, मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269 ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने के कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से  
अधिक है और जिसकी संख्या ..... है तथा जो 28-सी, अलीपुर  
रोड, दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), \*रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारोख  
सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम,  
(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर  
अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री आर. एल. अग्रवाल  
स्वयं और जनरल एटोर्नी श्रीमती बीना अग्रवाल और संदीप  
अग्रवाल निवासी-28, अलीपुर रोड, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री अनिल मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय नानक राम 2. श्रीमति  
नीरू मूलचंदानी पत्नी श्री अनिल मूलचंदानी 3. जगदीश  
मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय श्री नानक राम (4) पुष्पा मूलचंदानी  
पत्नी जगदीश मूलचंदानी निवासी बी. डी. एस्टेट, सिविल  
लाइन्स दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही  
शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की  
अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30  
दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति  
द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम में  
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

अनुसूची

प्रतिभाष्य प्रोपर्टी नं. 28-सी, क्षेत्र 700 वर्गगज स्थित अलीपुर रोड,  
दिल्ली।

तारीख 11-6-87

New Delhi, the 11th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/923 :—  
Whereas, I, T.K. Sah being the Competent Authority  
under section 269B of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961) (hereinafter referred to as the said  
Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/-and bearing No Undivided property  
No.28/C, Alipur Road, situated at Delhi (and more  
fully described in the Schedule annexed hereto) has  
been transferred and \*registered under Registration  
Act 1908 (16 of 1903) in the Office of the registering  
Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent  
consideration which is less than the fair market value  
of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the transferor(s) and transferee(s) has not  
been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act in respect of any income arising from the transfer :  
and

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of  
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the Issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the  
following persons, namely :

- (1) Shri Satya Prakash Aggarwal  
S/o. Late R.L. Aggarwal for self and as  
Genl. Attorney of Smt. Bina Aggarwal and  
Sandeep Aggarwal  
R/o. 28, Alipur Road, Delhi (Transferor).

## (2) Shri/Smt./Km.

- (1) Anil Moolchandani  
S/o. Late Nanak Ram
- (2) Smt. Neeru Moolchandani  
W/o. Anil Moolchandani
- (3) Jagdish Moolchandani  
S/o. Late Sh. Nanak Ram
- (4) Smt. Pushpa Moolchandani  
W/o. Sh. Jagdish Moolchandani  
R/o. 100 B.D. Estate, Civil Lines, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

## THE SCHEDULE

"Undivided property No. 28/C, Area 700 sq. yds. situated at Alipur Road, Delhi".

Date 11th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable

नई दिल्ली, 12 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस. आर.-II/9-86/415:—  
धतः मुझे ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सख्त अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या जे.-3/134 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), \*रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) स. जोगिन्दर सिंह, पुत्र स. किसान सिंह जे.-3/134, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं, रतनकर इन्टरनेशनल द्वारा पार्टनर श्रीमती आशा गुलाटी पत्नी श्री नन्द किशोर गुलाटी और मोहन गुलाटी पत्नी श्री मूलक राज निवासी जे.-3/135 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. जे.-3/134, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली  
तारीख 12-6-87

मोहर

\*( जो लागू न हो उसे काट डीजिए )

New Delhi, the 12th June, 1987

Ref.No.I.A.C. (Act)/Range VI/SR-II/9-86/415 :  
Whereas I T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/-and bearing No. J-3/134, Rajouri Garden situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) S. Joginder Singh  
S/o. S. Kishan Singh  
J-3/134, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri M/s. Satkar International through its partner Mrs. Asha Gulati  
W/o. Mr. Nand Kishore Gulati and Sh. Mohan Singh  
S/o. Mulakh Raj, J-3/135 (J-3/135)  
Rajouri Garden, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

“J-3/134, Rajouri Garden,  
New Delhi”

Date 12th June, 1987

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एम्. -6/37 ई. बी/9-86/88:—यस: मुक्त टी. के. साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जी. प्लॉट नं. यू. जी.-9 व एल-9 प्लॉट नं. 10 आशाफमल्ली रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन तारीख सितम्बर, 1987 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मैं एसल प्रोपर्टीज और इण्डस्ट्रीज बी.-10, लॉरेन्स रोड, औद्योगिक एरिया नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं जैकसन लेवीरेट्रीज 1496, पहली मंजिल, भागीरथ प्लेस दिल्ली-6 (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 30-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं. यू. जी. 9, ब एल 9, अपर ग्राउंड फ्लोर व लोफ्ट

प्लॉट प्लॉट नं. 10 आशफ अली रोड, नई दिल्ली ।

तारीख 12-6-87

मोहर

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/88.—  
Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 and 285.39 sq. ft. situated at 10, Asaf Ali Rd. N.Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and \*has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s Essel Properties & Industries  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Jackson Laboratories  
1496, 1st Floor, Bhagirath Place,  
Delhi-110006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

“Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 & 285.39 sft.” Plot No. 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

Dated 12th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-6/37 ई. ई.-9-86/90:—अन मूजे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 17 ए है तथा जो नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), \*सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाखल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती नरिन्दर कान्ता पत्नी श्रीमती सन्तोष कुमारी 16-ई, कमला नगर, दिल्ली-7 (अन्तरक)
- (2) मै. विपुल प्रोपर्टीज प्रा. लिमिटेड बी-9, मायापुरी इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होते ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।  
अनुसूची

प्लॉट नं. 17-ए, नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली तादादी 1993.3 वर्गगज

तारीख 12-6-87

मीहूर

\*( जो लागू न हो उसे काट दीजिए )

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/90.—Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17-A, situated at Najafgarh Road Industrial area, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Smt. Narinder Kanta and Smt. Santosh Kumari, 16-E, Kamla Nagar, Delhi-110007. (Transferor)
- (2) M/s. Vipul Properties (P) Ltd. B-9, Maya Puri, Indl. area, Phase-I New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

"Plot No. 17-A, Najafgarh Road, Industrial area, New Delhi Measuring 1993.3 sq. yds. Date: 12th June 1987.

Seal

\*Strike off where not Applicable

निर्देश नं. आई.ए.सी./एनयू.8/37ई.ई./9-86/182—अतः मुझे टी.के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सन्ध्या ..... है तथा जो बारा हिंदुराब, नया रोहतक रोड व किसानगंज नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कब के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का



उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिगत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोध से अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारो मै. कैलाशनाथ एंड एसोसियेट्स  
18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001  
(अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारो मै. डी. सी. एम. लिमिटेड (अन्तरिणी)  
बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावरसंपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो-हस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकस्थिति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) हर एक बस आभासीय भवनों में कुल बने हुए व वित्तिय योग्य एरिये का 52% और
- (2) हर एक ग्रांड फ्लैटिड फेक्टरीज में कुल बने हुए व वित्तिय योग्य एरिये का 60% जो कि मै. कैलाशनाथ एंड एसोसियेट्स द्वारा, डी.सी.एम. की बाड़ा हिन्दू राव, नया रोहताक रोड व किशनगंज दिल्ली में स्थित जमीन पर बनाये जाएंगे।

तारीख 12-8-87

अक्षर

(जो लागू हो होता हो उसे काट दिया)

454 GI/87

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/182.—  
Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. D.C.M. Ltd., at Bara Hindu Rao, New Rohtak Road, Kishanganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates  
18, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001 (Transferor)
- (2) M/s. DCM Limited.  
Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**Explanation**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

- (i) 52% of the total built up and all other saleable areas in each of the ten residential; and
- (ii) 60% of the total built up and all other saleable areas in each of the eight flatted factories., buildings to be constructed by M/s. Kailash Nath & Associates on the land in possession of DCM Ltd. at Bara Hindu Rao, New Rohtak, Road, Paharganj, Delhi.

Date 12th June, 87.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू/6/37EE/9-86/184.—प्रतः मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ..... है तथा जो 10-सी, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर —

1. श्री/श्रीमती कुमारी । सतीश कोहली 1/2 जनपथ लेन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) राजन ज्योतिष कोहली एस-154, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली ।
- (3) रमेश राज कोहली डी-21, एन डी एस ई 2, नई दिल्ली ।
- (4) विवेका कोहली 10बी, सर गंगा राम हॉस्पिटल नई दिल्ली (अन्तरित)

2. श्री/श्रीमती कुमारी ओरियण्टल मरकंटाइल्स कं. लिमि.

पंजीकृत कार्यालय 36ए एंड बी, प्रतापदिव्य रोड, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अनुबन्ध 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुबन्ध में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी बिपरिण नं. 10-सी कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

तारीख 12-6-87

मोहर

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/184—Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No.10-C Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and \*has been registered with the Competent Authority u/s 259 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) Shri Satish Kohli,  
1/2, Jyotish Lane, New Delhi, 2 Rajen  
Jyotish Kohli S-154, G. Kailash-II,  
(Transferor)

3. Ramesh Raj Kohli,  
D-21, NDSE-II and Sh. Vivek Kohli,  
10-B, Sir Ganga Ram Hospital Road,  
New Delhi. (Transferer)

(2) The Oriental Mercantile Co.Ltd.,  
Regd. Office : 36, A & B,  
Pratapaditya Road,  
Calcutta-700026. (Transferee)  
M/s. Khaitan Electricals Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

“Property bearing No. 10-C, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi”.

Dated 12 June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई. ए. पी. एनू/6/37 15/9-86/152.—प्रतः, मुझे, टी. के. साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या — है तथा जो प्लेट नं. 312, सिडिकेट हाउस, 3, भोल्ल रोहताक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), \*सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम

1961 की धारा 269क के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यटः—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी एस बी सेल्ल लिमि. यूबी-1, अंसल भवन, 16-के जी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट, लिमि. 504/32-33 कुसुल बाजार, नेहरू प्लेस नई दिल्ली। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त उपर्युक्त के प्रजन के संबंध में कोई भी श्रक्षेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 312 ता.बो. 485 वर्ग फीट सिडिकेट हाउस, 3 भोल्ल रोहताक रोड, नई दिल्ली।

तारीख 12-6-87

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/152.—

Whereas, I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 312, in Syndicate House, situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and \*has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C,

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. S.B. Sales Pvt. Ltd., UB-1,  
Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading and Investments Ltd.  
504/32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

“Flat No. 312 measuring 485 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.”

Date 12th June, 1987.

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं.आई.ए.सी./एक्यू/6/37EE/9-86/153.—अतः, मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ————— है तथा जो स्पेस नं. 203-ग, सिटीफेट हाउस 3 ओल्ड रोहताक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), “सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी एस. बी. सेल्स प्रा. लिमि.  
यूबी-1, अंशल भवन, 16-क. जी. मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी मैसर्स यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि.  
504, कुशल बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली  
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में संशोधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं. 203-ए, 335 वर्गफीट सिंडीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहताक रोड। दिल्ली।

तारीख 12-6-87

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

टी.के.साह,

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन 6 रोज़ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/153,---

Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 203-A in Syndicate House situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi\* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

454 GI/87-4

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd. UB-1, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

“Space No. 203-A of 335 sft. in Syndicate House 3-Old Rohtak Road, Delhi”.

Date : 12-6-87

Seal :

\*Strike off where not applicable.

T. K. SAH,

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range, VI

New Delhi-110002

